बरेली, सोमवार
4 दिसंबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO, 06, MIDDLE

युद्धोप्रांत का संदेश, क्रोध नाश का कारण

जागरण संवाददाता, बरेली : लाइट आन अश्वत्थामा प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है। वह क्रोध और गुस्से लाल हुआ जा रहा है। वृद्ध याचक का वह वध करने के बाद अब संजय के वध की योजना बन रहा है, तभी सामने से कृत वर्मा व कृपाचार्य की आवाज आती है अश्वत्थामा ठहरो... और लाइट गुल।

यह दृष्य है श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा प्रदर्शन एवं ललित कला केंद्र में हुए नाटक युद्धोप्रांत का। रविवार को एकलव्य थिएटर की ओर से प्रस्तुत नाटक कथानक महाभारत के 18वें दिन के बाद का है, जिसमें युद्ध के बाद की घटनाओं को मार्मिक ढंग से दर्शाया गया। मुख्य पात्र अश्वत्थामा है, जो अपने पिता गुरु द्रोणाचार्य की अधर्मयुक्त मृत्यु एवं दुर्योधन के प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है। वह पिता की मृत्यु से क्षुब्ध होकर पशु की तरह व्यवहार करता है, वह वृद्ध याचक का वध करता है और संजय का भी वध करने की कोशिश करता है, लेकिन कृतवर्मा और कृपाचार्य उसे ऐसा न करने के लिए समझाते हैं। कुछ दूरी पर कृपाचार्य और अश्वत्थामा घायल व अचेत पड़े दुर्योधन से मिलते हैं। दुर्योधन अश्वत्थामा को सेनापति घोषित करता है। वह अकेला ही पांडव शिविर की ओर जाता है। वह गर्भ में पल रहे पांडव कुल के भविष्य अभिमन्यु के पुत्र की हत्या करने का भी प्रयास करता है। तभी क्रोधित होकर श्रीकृष्ण अश्वत्थामा से उसकी मस्तक जड़ित मणि छीन कर उसे भ्रूण हत्या को घोर अपराध मानते हुए युगों-युगों तक भटकने के लिए श्राप देते हैं। इसके साथ ही डा. धर्मवीर भारती द्वार लिखित नाटक का समापन हुआ। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा आदि मौजूद रहे।

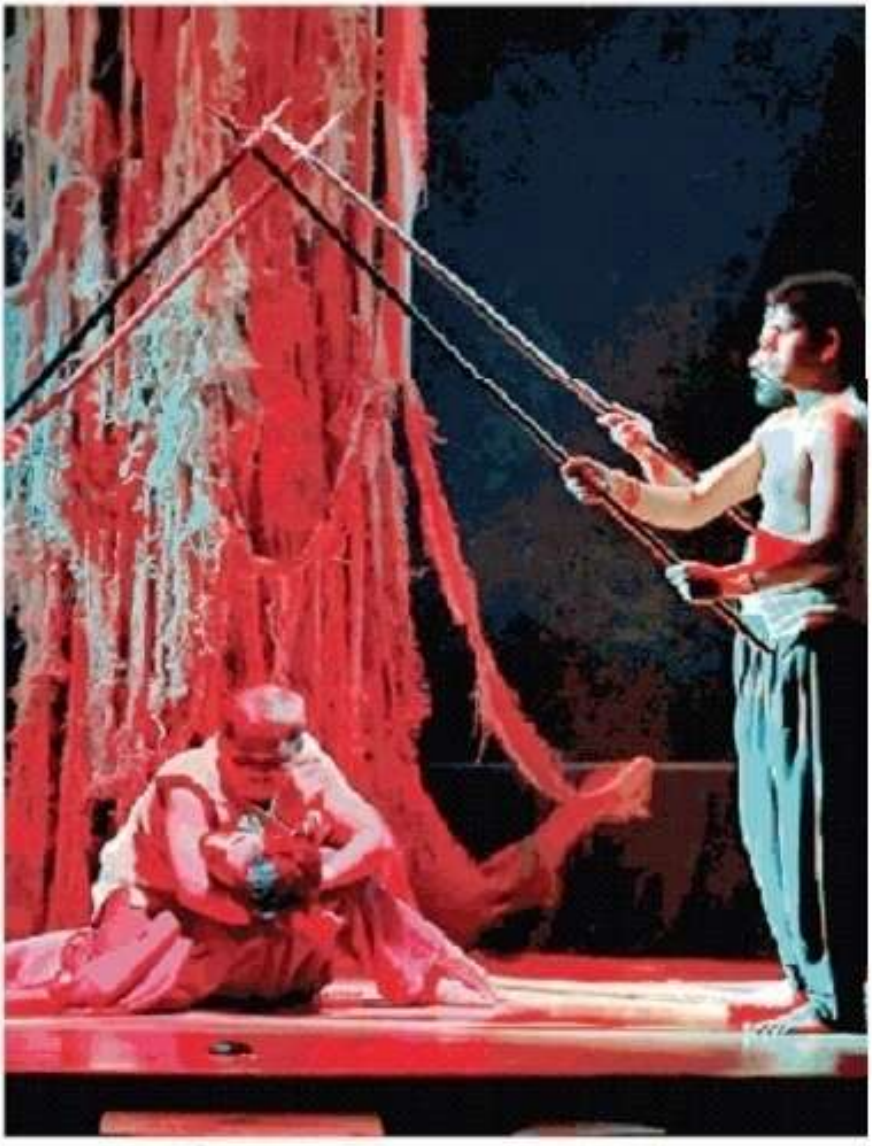

नाटक का मंचन करते कलाकार ● जागरण